समाचार

स्वच्छता केवल भौतिक स्तर पर नहीं मानसिक व भावनात्मक स्तर पर भी हो–डॉ.शेष

(स्मार्ट सिटी, स्वच्छ भारत मिशन एवं व्यक्तित्व विकास पर आयोजित हुई परिचर्चा, महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन)

कोरबा 11 जुलाई 2015–स्वच्छता केवल भौतिक स्तर पर ही नहीं बल्कि मानसिक व भावनात्मक स्तर पर भी होनी आवश्यक है, विचारों में स्वच्छता होना एवं नकारात्मक वातावरण को सकारात्मक स्वरूप प्रदान करना स्वच्छता की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। जब हम केवल शिकायत करते हैं, किन्तु शिकायत को दूर करने का प्रयास नहीं करते हैं, तब हम शिकायत दूर करने की अपनी क्षमता को खो देते है।

उक्ताशय के विचार गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाले कोरबा के गौरव डॉ.अजय शेष ने स्मार्ट सिटी, स्वच्छ भारत मिशन एवं व्यक्तित्व विकास पर आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल की विशेष पहल पर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा मेरे सपनों का स्वच्छ शहर स्मार्ट सिटी कोरबा, स्वच्छ भारत मिशन, चुनौतियां, लक्ष्य, कार्ययोजना तथा निगम के अधिकारी कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास विषय पर आज पुराने बस स्टैण्ड कोरबा स्थित गीतांजलि भवन सभागार में एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ.अजय शेष तथा आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी एवं श्रीमती चांदनी अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। काफी संख्या में उपस्थित निगम के अधिकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ.अजय शेष ने अपने व्याख्यान में आगे कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा एवं आमजन के बीच एक सेतु का निर्माण होना चाहिए तथा दोनों के बीच आपसी विश्वास व पर्याप्त सहयोग का होना भी आवश्यक है। नगर विकास के लिए निगम एवं जनता दोनों की सहभागिता जरूरी है, तथा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए सुनियोजित योजना व प्रबल इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि निगम एवं जनता दोनों के सहयोग से कोरबा स्मार्ट सिटी बने हम सभी को इस दिशा में पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ना है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें कुछ करने का मौका मिला है, हम बेरोजगार एवं बिना अधिकार के नहीं है, हमें अपने कर्तव्यों एंव अधिकारों का पूर्ण उपयोग समाज, शहर, राज्य, राष्ट्र एवं विश्व के हित में करना चाहिए, ताकि हमें जो अवसर मिला है उसका पूरा उपयोग हो तथा हमारा मानव जीवन सार्थक हो। डॉ.शेष ने आगे कहा कि देश का नागरिक होने के नाते स्वच्छता हमारा दायित्व है, निगम या किसी विभाग का कर्मचारी होने के नाते नहीं। हर व्यक्ति की अपनी एक अलग विशेषता होती है, आप अपनी उसी विशेषता के बल पर कुछ ऐसा करें कि विश्व पटल पर आपका नाम अंकित हो। उन्होने कहा कि आपकी सोच विश्व स्तर की होनी चाहिए, आप सोचने के लिए स्वतंत्र हैं, सोच सकारात्मक बनाये तथा नकारात्मकता को अपने से दूर करें। नैसर्गिक सोच हमें भेंड़ चाल चलना सिखाती है तथा नकारात्मकता की ओर ले जाती है, सफलता से दूर करती है। हमें सफलता प्राप्त करने के लिए भीड़ से अलग होना होगा, सोच को सकारात्मक बनाना होगा।

स्मार्ट सिटी के लिए कोरबा की स्वाभाविक दावेदारी–कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने कहा कि स्मार्ट सिटी बनने के लिए ऊर्जानगरी कोरबा की स्वाभाविक दावेदारी बनती है। यहां पर अन्य शहरों की तुलना में विकास के ज्यादा अवसर हैं, कार्य करने की परिस्थितियां अत्यंत अनुकूल हैं, हमें विश्वास है कि कोरबा के नागरिकों के सहयोग एवं हम सबकी मेहनत से कोरबा को स्मार्ट सिटी का दर्जा प्राप्त होने का अवसर अवश्य मिलेगा। उन्होने कहा कि निगम के अधिकारी कर्मचारी अत्यंत कर्तव्य निष्ठ हैं तथा इन्हीं की बदौलत निगम ने प्रदेश के नगरीय निकायों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं, मैं विश्वास करती हूं कि आप सबकी यह पहचान आगे भी कायम रहेगी। इस मौके पर श्रीमती चांदनी अग्रवाल ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम एक अच्छा प्रयास है, शहर को सुव्यवस्थित करना हम सबकी जिम्मेदारी है, तनाव मुक्त रहकर ही अच्छे कार्य किये जा सकते हैं।

नगर निगम कोरबा ने बनाई अपनी विशेष पहचान–इस मौके पर आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल की विशेष पहल पर आयोजित किया गया है। निश्चित रूप से यह एक प्रेरणादायी कार्यक्रम है, उन्होने कहा कि नगर निगम कोरबा सदैव स्मार्ट रहा है तथा यहां के अधिकारी कर्मचारियें ने निगम को स्मार्ट बनाये रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई हैं। उन्होने कहा कि निगम ने अनेक ऐसी योजनाएं प्रारंभ की है, जिन्हें बाद में राज्य स्तर पर भी लागू किया गया है। आयुक्त श्री चन्द्रवंशी ने आगे कहा कि निगम के अधिकारी कर्मचारी किन परिस्थितियों का सामना फील्ड में करते हैं, फील्ड की विषम परिस्थितियों का सामना कैसे किया जाए, तनाव से मुक्त कैसे रहें, कोरबा को स्मार्ट सिटी बनाने के दिशा में हमारी क्या भूमिका हो, सम्पूर्ण स्वच्छता के लिए हम क्या कदम उठाए तथा सम्पूर्ण स्वच्छता कैसे प्राप्त करें आदि सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर इस परिचर्चा का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान निगम के स्मार्ट सिटी नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता ए.के.शर्मा, मुख्य लेखाधिकारी पी.आर. मिश्रा, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, कार्यपालन अभियंता ग्यास अहमद, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के. सारस्वत, समाज कल्याण अधिकारी डॉ.शिरीन लाखे, डॉ.शेष के सहयोगी सैयद अल्तमस अली, अनुभाग अधिकारी गिरीश साहू, सहा.अभियंता डी.सी.सोनकर, के.पी.दहायत, विनोद शांण्डिल्य, एन.के. नाथ
सहित काफी संख्या में निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।